शुल्क मुक्त चीनी आयात से नुकसान

केंद्र सरकार 5 लाख टन शुल्क मुक्त आयात करने जा रही है। इसकी वजह देश में चीनी उत्पादन में गिरावट बताई जा रही है। शुल्क मुक्त चीनी आयात करना गन्ना किसानों के हित में नहीं है। भारत दुनिया में चीनी का चौथा बड़ा उत्पादक व उपभोक्ता देश है। देश में चीनी का सीजन अभी समाप्त नहीं हुआ है। इस वर्ष देश में 2.25 करोड टन चीनी उत्पादन का अनुमान है। यह अनुमान प्रारंभिक आंकड़ा है। देश में चीनी का उत्पादन ज्यादा भी हो सकता है। पिछले वर्षों में पूर्व की सरकार द्वारा बड़ी मात्रा में कच्ची चीनी का शुल्क मुक्त आयात किया गया। इस वजह से चीनी के दाम घरेलू बाजार में निम्न स्तर पर आ गए थे। देश का चीनी उद्योग किसानों का भुगतान भी समय से नहीं कर पा रहा था, जिससे गन्ना किसानों के क्षेत्रों में भी आत्महत्या की संख्या में काफी वृद्धि हुई थी। देश में पिछले वर्ष 234 लाख टन

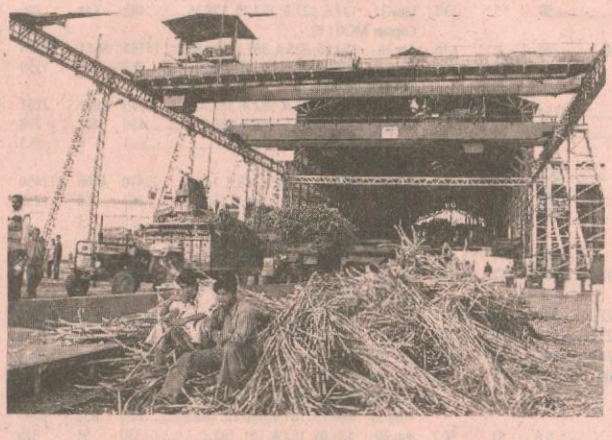

और वर्ष 2015-16 में 251 लाख टन का बंपर उत्पादन हुआ था। पिछले वर्ष का गन्ना सत्र समाप्त होने के बाद सितंबर में देश में 48.5 लाख टन चीनी मिलों के पास खपत से ज्यादा थी। गन्ने की बुआई को देखते हुए आगामी गन्ना सीजन में भी 255 लाख टन चीनी उत्पादन का अनुमान है। पूर्व में

सरकार द्वारा चीनी आयात किए जाने से गन्ना किसानों की चिंता बढ़ जाएगी

भी 40 लाख टन चीनी का जो आयात किया था वह चीनी भी अभी बाजार में उपलब्ध है। लिहाजा देश में चीनी की कोई कमी नहीं है। विभिन्न परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए अगर सस्ती कच्ची चीनी का आयात किया जाता है तो कई वर्षों से मार झेल रहे गन्ना किसानों के फिर से बुरे दिन चालू हो जाएंगे। इसलिए कच्ची चीनी आयात के किसान विरोधी फैसले को अविलंब वापस लिया जाए।

धर्मवीर सिंह, मेरठ

Business Standard.
7-4-17.